सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. डी. आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 05/2021

दिनांक : 28/5/2021

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

विषय : सीजेडआईईए कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन की कार्यकारिणी समिति की वर्चुअल बैठक दिनांक 23 मई 2021 को सीजेडआईईए के अध्यक्ष काम. एन. चक्रवर्ती की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यकारिणी समिति की बैठक में एआईआईईए के सतत संघर्ष के चलते हासिल हुए ऐतिहासिक वेतन पुनर्निर्धारण के लिए बीमा कर्मियों को बधाई दी गई और इस उपलब्धि को संगठन में संगठित करने का आव्हान किया गया। बैठक में विशेष रूप से एआईआईईए के महासचिव काम. श्रीकांत मिश्रा, एआईआईईए के उपाध्यक्ष व सीजेडआईईए के उपाध्यक्ष काम. बी. सान्याल एवं सीजेडआईईए संस्थापक अध्यक्ष काम. एस.आर. उर्ध्वरेषे उपस्थित थे।

शोक प्रस्ताव :

बैठक के प्रारंभ में सीजेडआईईए के महासचिव ने शोक प्रस्ताव पेश करते हुए संगठन की पिछली बैठक के बाद से लेकर अब तक कोविड महामारी के दौरान दिवंगत हुए साथियों, एआईआईईए के उपाध्यक्ष व एससीजेडआईईएफ के काम. के. वेणुगोपाल राव, आरडीआईईयू के भूतपूर्व अध्यक्ष काम. व्ही.जी. भगत, बीडीआईईयू के मंडलीय इकाई के अध्यक्ष काम. कैलाश निरंजन, जीडीआईईए की स्थापना से ही संगठन के कोषाध्यक्ष काम. जी.सी. सोमानी, एसडीआईईयू के उपाध्यक्ष काम. पुष्पेन्द्र पांडे, आईईयू इंदौर के काम. यशवंत बाघेला, बीडीआईईयू भोपाल के काम. प्रेमनारायण यादव, जेडीआईईयू जबलपुर की काम. नीलाक्षरा बैनर्जी, हजारीबाग मंडल के पूर्व महासचिव काम. जे.पी. सिंह, बीडीआईईए बिलासपुर के काम. सादिक खान, एसडीआईईयू शहडोल के काम. नरेश पंसारिया, बीडीआईईयू भोपाल के काम. फिलोमिना पन्ना, मेरठ मंडल के पूर्व महासविच काम. जे.सी. चौहान, बीडीआईईए बिलासपुर के काम. उदय सिन्हा, आईईयू इंदौर के काम. कमलेश कामाने, काम. प्रकाशराव बाघमारे, जीडीआईईए, ग्वालियर के काम. अजय श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त साथी काम. मुरारीलाल प्रजापति, पुणे मंडल के पूर्व महासचिव काम. बी.जी. केरकर, बीडीआईईयू भोपाल के काम. प्रकाश उईके, नासिक मंडल के पूर्व महासचिव काम. एस.एस. देशपांडे, आरडीआईईयू इकाई रायपुर-3 के अध्यक्ष काम. लखनलाल यदु, आरडीआईईयू इकाई भिलाई-2 के अध्यक्ष काम. विजय पाटिल, आरडीआईईयू रायपुर मंडल कार्यालय की काम. किरण श्रीवास्तव, आरडीआईईयू पीएंडजीएस की काम. डोमोटिला कुजूर, आरडीआईईयू दुर्ग के काम. डी.के. सरकार, बीडीआईईए बिलासपुर के काम. नवीश लाल, एनसीजेड-आईईएफ के पूर्व अध्यक्ष काम. एन.के. पचौरी, जेडीआईईयू जबलपुर की काम. चित्रा अय्यर, ईजेडआईईए के पूर्व महासचिव काम. सैबल चौधुरी, आरडीआईईयू रायपुर पीएंडजीएस से सेवानिवृत्त काम. नरेन्द्र दीक्षित तथा सीटू की भूतपूर्व कोषाध्यक्ष तथा कार्यकारिणी सदस्य एवं 'कामकाजी महिला' पत्रिका की संपादक काम. रंजना निरुल्ला के साथ-साथ देश के अन्य बीमा कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की गईं।

इसके बाद सीजेडआईईए के महासचिव ने पिछली बैठक के बाद की परिस्थितियों की विस्तारपूर्ण जानकारी दी तथा पिछली बैठक के बाद से लेकर अब तक बीमा क्षेत्र में एफडीआई में वृद्धि तथा एलआईसी में आईपीओ के खिलाफ एवं वेतन पुनर्निर्धारण के सवाल पर मध्य क्षेत्र में चलाये गए अभियानों के लिए साथियों को बधाई दी। उन्होंने एलआईसी में आईपीओ व एफडीआई में वृद्धि के विरुद्ध मध्यक्षेत्र के विभिन्न सांसदों को ज्ञापन देने के मामले में

सभी मंडलों के द्वारा की गई पहल के लिए भी साथियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम करोना महामारी के चलते भौतिक रूप से बैठक करने में असमर्थ हैं इसलिए वर्चुअल रूप में मिल रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हमारे नेतृत्व का एक बड़ा हिस्सा भी करोना से संक्रमित था और आज स्वस्थ होकर इस बैठक में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके कारण वेतन पुनर्निर्धारण संपन्न होने के तुरंत बाद आयोजित की गई कार्यकारिणी समिति की बैठक भी हमें स्थगित करनी पड़ी थी। उन्होंने मध्य क्षेत्र में अभी भी सभी संवर्गों के ऐसे साथी जो करोना से पीड़ित हैं उनके व उनके परिजनों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

कार्यकारिणी समिति का स्पष्ट मत था कि आज देश में पुन: एक बार कोविड की इस महामारी ने अपना रौद्र रूप दिखा दिया है। देश के हर स्थान, हर शहर, हर कस्बा, हर गांव प्रत्येक जगह में कोविड से प्रभावितों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई। हर स्थल पर जनता को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। ऑक्सीजन की कमी के तथा समय पर अस्पतालों में बिस्तर नहीं मिल पाने के कारण अनेकों को अपनी जान गंवानी पड़ी, लेकिन सरकार चाहे वह केन्द्र की हो या फिर राज्य की, ने इस समस्या के समाधान हेतु किसी भी प्रकार की कोई सकारात्मक पहल नहीं की। दूसरी ओर वैक्सीन लगाने की कोई पूर्वयोजना भी नहीं की जिससे अनेक स्थानों पर वैक्सीन की किल्लत नजर आ रही है। इसी समय सरकार ने 18 वर्ष से 44 वर्ष की आयु के लोगों को भी वैक्सीन के टीकाकरण की घोषणा कर दी। आज भी देश के अंदर वैक्सीन की कमी महसूस की जा रही है क्योंकि सरकार केवल दावे कर रही है जबकि वास्तव में यह बड़े पैमाने पर वैक्सीन के उत्पादन के लिए सक्षम सार्वजनिक क्षेत्र को भी अवसर देने का निर्णय तक नहीं ले रही असल में इस दिशा में उसकी कोई तैयारी ही नहीं है, जिसके चलते अनेक टीकाकरण केन्द्रों को बंद कर दिया गया। इस महामारी की समस्या से या इसका समाधान करने में केन्द्र सरकार पूरी तरह से विफल रही। भाजपा सरकार देश में पांच राज्यों के चुनाव में पूरी तरह से लगी हुई थी। उसे इस महामारी से कोई भी मतलब नहीं था कि देश में लोग मर रहे हैं तथा श्मशान स्थलों में उनके अंतिम संस्कार करने के लिए भी जगह नहीं है, गंगा नदी में लाशें तैर रही हैं। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल, केरल व तमिलनाडु में भाजपा को जनता ने जबर्दस्त तरीके से नकार दिया। केरल में वाम मोर्चे को ऐतिहासिक जीत मिली। कार्यकारिणी समिति ने इन राज्यों की जनता का क्रांतिकारी अभिनंदन किया। कार्यकारिणी समिति ने नोट किया कि केन्द्र सरकार द्वारा मजदूरों के ऊपर आक्रमण आज भी जारी है। केन्द्र सरकार द्वारा देश के सार्वजनिक क्षेत्रों को बेचा जा रहा है। मंहगाई भत्ते को समाप्त किया जा रहा है। रोजगारशुदा बेराजगार हो रहे हैं, एलआईसी में आईपीओ जारी करने की तैयारी जारी है, एफडीआई की सीमा 49 प्रतिशत से 74 प्रतिशत सरकार द्वारा की जा चुकी है। ऐसी विषम व विपरीत परिस्थितियों में भी एआईआईईए ने अपना वादा निभाते हुए बीमा कर्मचारियों को शानदार, बेहतरीन व ऐतिहासिक वेतन पुनर्निर्धारण उपलब्ध कराया, जो उद्योग की प्रगति, भुगतान क्षमता तथा कर्मचारियों की अपेक्षा के अनुरूप है।

बैठक ने नोट किया कि इस बैठक के प्रारंभ होने के पहले ही हमारे साथियों को ऐरियर्स का भुगतान भी हो चुका है। एआईआईईए ने इस समय लेव्ही पिछले 4 प्रतिशत की जगह केवल 2 प्रतिशत (आयकर घटाकर प्राप्त सकल राशि पर) लेव्ही का आव्हान किया है। मध्य क्षेत्र में बैठक ने नोट किया कि सभी मंडलों में हमारे साथियों से इसका जबर्दस्त प्रतिसाद मिला है। इंदौर व सतना मंडल द्वारा क्रमश: 95 प्रतिशत व 100 प्रतिशत लेव्ही इकत्रित की जा चुकी है। रायपुर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, शहडोल, बिलासपुर मंडलों में लगभग 70 से 80 प्रतिशत लेव्ही एकत्रित हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि करोना संक्रमण के चलते मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ की लगभग सभी इकाइयों में तालाबंदी के चलते कार्यालयों में उपस्थिति कहीं 10 प्रतिशत, कहीं 25 प्रतिशत ही है। बावजूद इसके साथियों के द्वारा लेव्ही एकत्रिकरण के मामले में किये गये प्रयास के लिए कार्यकारिणी समिति ने मध्यक्षेत्र के साथियों का अभिनंदन किया। इस परिपत्र के जारी होने तक सतना मंडल ने संपूर्ण राशि सीजेडआईईए को प्रेषित कर दी है, वहीं इंदौर तथा रायपुर मंडल ने भी एक बड़ा हिस्सा सीजेडआईईए मुख्यालय को प्रेषित कर दिया है। इंदौर में सर्वोच्चतम राशि प्रेषित की। ग्वालियर सहित कई मंडलों में विगत वर्ष भर्ती हुए नए साथियों ने स्वत: स्फूर्त ढंग से 4 से 5 प्रतिशत लेव्ही का संगठन का भुगतान किया। सीजेडआईईए ने इन सभी साथियों का क्रांतिकारी अभिनंदन किया।

बैठक का यह मत था कि एआईआईईए एक चैंपियन है जिसने अपने कौशल के चलते जिस तरह से ज्वाइंट फ्रंट का निर्माण कर सभी वर्ग के साथियों को एक सूत्र में पिरोया तथा एक बेहतरीन वेतन पुनर्निर्धारण हासिल किया। अब हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि

इस बेहतरीन वेतन पुनर्निर्धारण की न केवल रक्षा करें बल्कि इसे सुरक्षित रखते हुए अपने प्रिय उद्योग पर आईपीओ व एफडीआई के माध्यम से जो हमले हो रहे हैं , उसे परास्त करना है और पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस उद्योग की सुरक्षा भी करनी है। यही हमारी महती जिम्मेदारी है। जो उपलब्धि हमने हासिल की है उसे संगठन में तब्दील करते हुए संगठन को और मजबूत व सुदृढ़ करना होगा।

वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए एआईआईईए के महासचिव काम. श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि एक बेहतर वेतन पुनर्निर्धारण प्राप्त करने हेतु समस्त साथियों को बधाई व क्रांतिकारी लाल सलाम। यह केवल और केवल संगठन पर साथियों के अगाध विश्वास, आस्था व प्रेम के चलते ही संभव हो सका है। शासक वर्ग विश्व गुरु बनने का सपना देख रहा है। देश के विकास का पैमाना ऐसा कर दिया है कि अस्पताल तथा ऑक्सीजन की किल्लत हर जगह हो रही है। लाशों को परिवार के लोग ले जाने से डर रहे हैं। अनेक लोगों को खाना नसीब नहीं हो रहा है। अनेकों रोजगारशुदा बेरोजगार हो रहे हैं। किसान आंदोलन भी चल रहा है, मजदूरों पर आक्रमण निरंतर जारी है। दूसरी ओर ऐसे समय में एक व्यापारी अपनी बिल्डिंग खड़ी करने को उच्च प्राथमिकता दे रहा है। सार्वजनिक क्षेत्रों को नीलाम किया जा रहा है। कोविड की दूसरी लहर ने हजारों लाखों जिंदगियां हमसे छीन लीं। लेकिन केन्द्र सरकार उसका नियंत्रण करने में नाकाम रही। इस कठिन व विपरीत दौर में भी एआईआईईए ने एक बेहतरीन वेतन पुनर्निर्धारण हासिल किया। साथियों को इसके लिए असंख्य बधाई व लाल सलाम। उन्होंने कहा कि एआईआईईए ने अपने कौशल व सांगठनिक शक्ति के साथ ऐसी रणनीति अपनाई जिसके चलते हमने बेहतरीन वेतन पुनर्निर्धारण हासिल करने में सफलता प्राप्त की। 1 अगस्त 2017 से देय वेतन वृद्धि के लिए हमने सूरत में एआईआईईए कार्यकारिणी में लिए गए निर्णय के अनुसार हमने तय किया था कि मांगपत्र में 40 प्रतिशत वेतन वृद्धि तथा यह वेतन वृद्धि उद्योग की प्रगति, देय क्षमता तथा कर्मचारियों की अपेक्षा के अनुरूप होना चाहिए। विशाखापत्तनम के रजत जयंती महाधिवेशन में एआईआईईए ने वादा किया था कि एक बेहतरीन वेतन पुनर्निर्धारण दिलाएंगे। महाधिवेशन के समाप्ति के तीन दिन बाद ही देश के बजट में वित्त मंत्री ने एलआईसी में आईपीओ की घोषणा की। साथ ही मार्च के महीने से इस देश में एक बार फिर से कोविड की दूसरी खतरनाक लहर ने प्रवेश किया। इस भयंकर परिस्थिति में ज्वाइंट फ्रंट व एआईआईईए की केन्द्रीय कार्यालय के अन्य अधिकारियों से कोई भी वार्ता नहीं हो पा रही थी। जो भी चर्चा हुई, वर्चुअल हो रही थी उसमें प्रत्येक चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि वेतन पुनर्निर्धारण एलआईसी की प्रगति,देय क्षमता तथा कर्मचारियों की अपेक्षा के अनुरूप ही होना चाहिए। उन्होंने वेतन पुनर्निर्धारण को प्राप्त करने हेतु जो भी कठिनाइयां सामने आई उसकी विस्तारपूर्वक जानकारी कार्यकारिणी समिति को दी। जहां तक 2 प्रतिशत लेव्ही एकत्रीकरण का सवाल है वह जोश व उत्साह से चल रहा है । अब हमारा कर्तव्य व जिम्मेदारी है कि इस वेतन को सुरक्षित रखते हुए उद्योग के ऊपर जो हमले हो रहे हैं उसके खिलाफ प्रचार व प्रसार करना है और इस उद्योग की रक्षा करनी है। उन्होंने कहा कि एआईआईईए को विश्वास है कि हमारे साथी इस उपलब्धि को प्राप्त करने के बाद इसका उपयोग संगठन को मजबूत व ताकतवर बनाने करेंगे।

कार्यकारिणी समिति की बैठक को एआईआईईए व सीजेडआईईए के उपाध्यक्ष काम. बी. सान्याल तथा सीजेडआईईए के भूतपूर्व अध्यक्ष काम. एस.आर. उर्ध्वरेषे ने भी संबोधित किया। काम. सान्याल ने बैठक को संबोधित करते हुए एआईआईईए के नेतृत्व में सबसे कठिनतम दौर में शानदार वेतन पुनर्निर्धारण हासिल करने के लिए समस्त साथियों को बधाई दी उन्होंने कहा कि अब हमारी जिम्मेदारी इस अभूतपूर्व उपलब्धि को बचाये रखने की है। उन्होंने एआईआईईए के इतिहास के एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए 1974 के घटनाक्रम को याद करते हुए कहा कि उस समय भी एआईआईईए ऐतिहासिक वेतन समझौता हासिल किया था, यह समझौता आठ मंडलों में तालाबंदी को परास्त कर हासिल किया गया था तब दिल्ली के मंडल कार्यालय का ताला खोलते हुए एआईआईईए के तत्कालीन महासचिव कामरेड सरोज चौधरी ने उत्साह से लबरेज बीमा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा था कि 'आज इस ऐतिहासिक जीत के लिए आप निश्चय ही जश्न मनाने के हकदार हैं, लेकिन इस विजय उत्सव के समय एक क्षण के लिए भी यह न भूलें कि आज से एक नये संघर्ष की शुरुआत हो रही है, वह है इस ऐतिहासिक जीत को बचाये रखने का संघर्ष क्योंकि तत्कालीन हुक्मरान भी बीमा कर्मचारियों के इस ऐतिहासिक वेतन समझौते से खुश नहीं थे।' काम. सान्याल ने कहा कि बीमा कर्मचारियों ने एक बार फिर मजदूर विरोधी वर्तमान सरकार के हाथों से छीनकर एक शानदार वेतन पुनर्निर्धारण हासिल किया है। आप

इसके लिए असंख्य बधाई के पात्र हैं। लेकिन फिर से आपको ये याद रखना होगा कि आज से ही इसे बचाये रखने के संघर्ष की तैयारी शुरु हो गई है क्योंकि एलआईसी के आईपीओ जारी करने और एफडीआई की सीमा को बढ़ाने का सरकार कदम उठा चुकी है। राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत के साथ हमारे आर्थिक इरादों के साथ इसका सीधा संबंध है इसलिए हमें हमारे संगठन की ताकत को और अधिक मजबूत बनाना होगा।

सीजेडआईईए के संस्थापक अध्यक्ष काम. एस.आर. उर्द्धरेषे ने अपने उद्‌बोधन में इस बात पर खुशी जाहिर की कि वे इस बैठक का हिस्सा बन पाये। उन्होंने सबसे प्रतिकूल परिस्थिति में सबसे शानदार वेतन पुनर्निर्धारण के लिए एआईआईईए को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि हमारे साथी आगामी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए और एकताबद्ध होकर आगे बढ़ेंगे।

समस्त मंडलों ने अपने अपने मंडल में लेव्ही एकत्रीकरण के कार्य की विस्तार से जानकारी भी दी। बैठक में सहायक संवर्ग की लंबित प्रतीक्षा सूची के अमल, तालाबंदी अवधि में मुख्यालय के बाहर रहे साथियों के मसले तथा क्वारेंटाइन लीव आदि मामले पर साथियों की जिज्ञासाओं का भी जवाब देते हुए एआईआईईए महासचिव ने सूचित किया कि इन सभी विषयों पर एआईआईईए की सतत पहल जारी है।

बैठक में मुख्य रूप से निम्न निर्णय लिये गये–

1. 31 मई 2021 तक समस्त मंडलों में लेव्ही एकत्रीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाये।
2. 2019 व 2020 का वार्षिक विवरण 5 जून तक रजिस्ट्रार ट्रेड यूनियन को भेजा जाये।
3. आंदोलन की खबर के नवीनीकरण की राशि 5 जून तक मुख्यालय प्रेषित की जाए।
4. इंश्योरेंस वर्कर का नवीनीकरण शीघ्र किया जाये।
5. 'इंश्योरेंस वर्कर' के विज्ञापन की राशि शीघ्र प्रेषित की जाये।
6. जनवरी 2021 से आंदोलन की खबर के विज्ञापन की राशि रु. 10,000/– की जाये।
7. सभी मंडलों में नये साथियों हेतु ट्रेड यूनियन प्रशिक्षण का कार्यक्रम शीघ्रातिशीघ्र तय किया जाये।

साथियों, उपरोक्त परिस्थितियों के आंकलन से यह साफ है कि इस अमानवीय हालात में भी पूंजीवाद अपने मुनाफे की हवस को पूरा करने में लगा हुआ है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि केन्द्र सरकार इस स्थिति में भी आम जनता को राहत पहुंचाने की बजाये इन्हीं लुटेरों के हित साधने में लगी है। देश के किसान विगत 6 माह से इसी कानून में बदलाव के खिलाफ सड़कों पर है। देश का मदजूर वर्ग श्रम कानून में सुधार के नाम पर मालिकपरस्त श्रम संहिता के खिलाफ आवाज उठा रहा है; लेकिन सरकार मौन है। इस हालत में भी सरकार देश के संसाधनों को निजी पूंजी के हवाले करने सबकुछ नीलाम करने पर आमादा है। एलआईसी में आईपीओ जारी करने, बीमा क्षेत्र में एफडीआई बढ़ाना और हाल ही में आईडीबीआई बैंक को बेचने का उनका फैसला उनके इसी चरित्र का प्रमाण है। ऐसी स्थिति में हमें संगठन को संगठित करते हुए और मजबूत, सुदृढ़ व और शक्तिशाली बनाना होगा, तभी हम अपने इस उद्योग की रक्षा तथा जो उपलब्धि हमने हासिल की है उसे सुरक्षित रखते हुए एक सुंदर भारत का निर्माण करने में सफल होंगे। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हमारे सभी साथी आने वाली प्रत्येक चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने और अधिक एकताबद्ध होकर संगठित होंगे।

एक बार पुन: सभी को क्रांतिकारी अभिवादन व बधाई।

क्रान्तिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

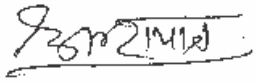

(डी.आर. महापात्र)
महासचिव

शानदार वेतन पुनर्निर्धारण के लिए समस्त बीमा कर्मिया को

क्रांतिकारी बधाई